क्र.सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	16/1/25	पत्रावली पेश हुई। वकीलवादी उपस्थित, प्रतिवादी संख्या 13 की पुनः तलबी की हिदायत वकीलवादी को दी जाकर पत्रावली दिनांक 27/2/25 को पेश हो।
	27/2/25	पत्रावली पेश हुई। P.O. साहब दौरे/अन्य कार्य में व्यस्त रहने के कारण कार्यवाही नहीं की जा सकी। पत्रावली दिनांक 20/3/25 को पेश हो।
	20/3/25	[illegible] वकुलाय द्वारा कन्हो[illegible], [illegible] करने के कारण कार्य[illegible] [illegible] जा सकी। पत्रावली दिनांक 8/4/25 को पेश हो।
	8/4/25	पत्रावली पेश हुई। वकीलवादी अनुपस्थित वादी स्वयं भी अनुपस्थित। न्यायालय समय में बार-बार आवाजें लगवाई गई परन्तु ना तो वादी स्वयं उपस्थित हुए ना ही वादी के वकील उपस्थित हुए। अतः वादी का वाद अदम हाजिरी अदम पैरवी में खारिज फरमाया जाता है। पत्रावली [illegible] से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।